विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–5 | अंक–15 | अप्रैल–जून, 2017

www.vidyabhawan.org

विद्या भवन में काम करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य

डॉ. सूरज जैक़ब

दार्शनिकों और समाज के प्रबुद्धजनों ने लंबे समय से शिक्षा से संबंधित आधारभूत प्रश्न किए हैं; जैसे "अच्छी शिक्षा क्या है, अच्छी शिक्षा व व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण के बीच में क्या संबंध है?" इस तरह के प्रश्नों को विचारों और प्रथाओं के माध्यम से तलाशने में विद्या भवन का एक लंबा इतिहास रहा है। मुझे लगता है कि ऐसे सवालों के सार्वभौमिक उत्तर नहीं हो सकते। मेरा मानना है कि हम में से प्रत्येक को व्यक्तिगत रूप में हमारी संस्थाओं के भीतर, और एक पीढ़ी के रूप में इन प्रश्नों से जुड़ना चाहिए। आज के बदलते हुए स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में विद्या भवन इन प्रश्नों को फिर से पूछ रहा है। हाल ही के कुछ घटनाक्रमों, जैसे सामान्य तौर पर बढ़ता हुआ बाजारीकरण और विशेष रूप से शिक्षा के 'कमोडिटीकरण' ने 'कौशलता' के घटक पर जोर दिया है। ये घटनाक्रम स्वयं आंशिक रूप से भारत में लंबे समय तक चुनौतियों का एक परिणाम हैं: भौतिक अभाव, सामाजिक अशांति और बेरोजगारी। निःसंदेह कौशलता एवं सार्थक आजीविका की तैयारी एक अच्छी शिक्षा प्रणाली के आवश्यक पहलू हैं, मगर हमें इससे भी आगे जाना चाहिए। मेरा मानना है कि हमें सक्रिय रूप से उन शैक्षिक प्रक्रियाओं की दिशा में काम करना चाहिए जो सामाजिक संबंधों के बारे में, सामाजिक न्याय के बारे में, पारिस्थितिकी और पर्यावरण के बारे में, हमारे संस्थानों के कामकाज, और वास्तव में जीवन के उद्देश्य और अर्थ के बारे में महत्त्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देने वाली हों। विद्यालयों, महाविद्यालयों और अन्य औपचारिक, अनौपचारिक शिक्षा के संस्थानों में संचालित की जाने वाली शैक्षिक प्रक्रिया और अनुभवों के अंतर्गत भौतिक शारीरिक पहलू के विकास पर ध्यान रहता है। लेकिन मैं ऐसा सोचता हूं कि सामाजिक दुनिया में जांच के एक आलोचनात्मक, बहुलवादी दृष्टिकोण के विकास के साथ दयालु भावना एवं प्रगाढ़ कल्याण के उच्च उद्देश्य को भी बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी संस्कृति और इस तरह के मूल्यों का तेजी से बदलते, उपभोक्तावादी, विपणन में विलुप्त होने का खतरा है। आज भारत को नई वैश्विक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। शिक्षण संस्थाओं से भी इस संदर्भ में गंभीर अपेक्षाएं हैं। मुझे और अधिक कारणों से लगता है कि शिक्षण संस्थाओं को न केवल सशक्त होना होगा अपितु साथ ही उनको कार्यशैली एवं नवाचार की दृष्टि से भी बदलाव लाना होगा। विद्या भवन में हमारे लिए काम करने की आशा के ये ही महत्वकांक्षी लक्ष्य हैं।

डॉ. सूरज जैक़ब
मुख्य संचालक, विद्या भवन सोसायटी

अंदर देखें...

- ✓ बोर्ड परीक्षा परिणाम 3
- ✓ छात्राओं द्वारा श्रमदान 4
- ✓ परीक्षा दें हंसते-हंसते 5
- ✓ "ऑफलाइन ट्रांजेक्शन" एप 6
- ✓ प्रकृति का संरक्षण हम सबका दायित्व 8
- ✓ विद्या भवन को चल वैजयंती 9
- ✓ किया पक्षियों का अवलोकन 11
- ✓ शिक्षा संबल कार्यक्रम 14

शिक्षा संबल कार्यक्रम के तहत ग्रीष्मकालीन आवासीय शिविर में विद्यार्थी एवं अतिथि। शिविर में 200 विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया।

सम्पादकीय...

विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं की शैक्षिक गतिविधियों से परिचय कराने के लिए विद्या भवन खोज-ख़बर का नियमित प्रकाशन विद्या भवन सोसायटी की ओर से किया जा रहा है। पत्रिका में प्रकाशित विविध शैक्षिक एवं सहशैक्षिक प्रवृत्तियों के विवरण से यह स्पष्ट होता है कि विद्या भवन की विभिन्न संस्थाएं निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर हैं। संस्थाओं में आयोजित गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए उत्तरदायी नागरिक तैयार करने में अपना सहयोग दे रही है। इन प्रवृत्तियों को और नई दिशा देने के लिए विद्या भवन को मुख्य संचालक के रूप में डॉ. सूरज जैकब का मार्गदर्शन एवं नेतृत्व मिला है। उन्होंने विद्या भवन के विजन को सराहा है और वर्तमान परिदृश्य में इसके औचित्य को स्वीकार भी किया है। हम सभी के लिए यह न केवल सकारात्मक बात है वरन् अधिक उत्साह से कार्य करने की प्रेरणा भी है। विद्या भवन के स्कूलों का परीक्षा परिणाम भी काफी अच्छा रहा है। स्कूल कर्मचारियों के सहयोग से विद्यालयों में नामांकन भी बढ़ा है। बेसिक स्कूल में 126 बच्चों का नामांकन हुआ है जो सराहनीय है। शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं में चुनौतीपूर्ण द्विवर्षीय बीएड. एवं एमएड. पाठ्यचर्या की प्रभावी क्रियान्विति की दिशा में प्रयास जारी हैं। विद्या बंधुओं का सभी संस्थाओं में सहयोग सराहनीय है।

सलाहकार
हृदय कान्त दीवान

संपादन
डॉ. गिरीश शर्मा ✦ अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

विद्या भवन विद्या बन्धु संघ

विद्या बंधुओं के बीच बेडमिंटन एवं टेबल टेनिस टूर्नामेंट

जिम्नेजियम में टेबल–टेनिस मुकाबला।

विद्या बंधुओं के बीच बेडमिंटन एवं टेबल टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में 25 विद्या बंधुओं ने भाग लिया। टूर्नामेंट का आयोजन स्व. अंबालाल जी मारू की स्मृति में उनके पुत्र विद्या बंधु नरेन्द्र मारू के सहयोग से किया गया। टूर्नामेंट का फाईनल मैच 9 अप्रैल को खेला गया। विजेताओं एवं उप विजेताओं को विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने पारितोषिक प्रदान किए। विजेताओं के नाम निम्न हैं-

वर्ग	विजेता	उप विजेता
बेडमिंटन एकल पुरुष वर्ग	प्रवीण गुर्जर	कुलदीप शर्मा
बेडमिंटन युगल पुरुष वर्ग	दिलीप गलुंडिया एवं भवानी सिंह	नरेन्द्र मारू एवं प्रवीण गुर्जर
टेबल-टेनिस एकल पुरुष वर्ग	नरेन्द्र दोशी	अशोक मंदावत
टेबल-टेनिस युगल पुरुष वर्ग	गोपाल बंब एवं अशोक मंदावत	नरेन्द्र दोशी एवं कुलदीप शर्मा
टेबल-टेनिस एकल महिला वर्ग	चन्द्रलेखा भारती	पुष्पा शर्मा

वार्षिक साधारण सभा की बैठक

विद्या बंधु की वार्षिक साधारण सभा की बैठक 25 जून को विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के प्रार्थना-कक्ष में हुई। बैठक में विद्या बंधु संघ के वर्ष 2016-17 के अंकेक्षित लेख एवं वर्ष 2017-18 का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। सभा के पश्चात उपस्थित विद्या बंधुओं ने विद्या भवन सोसायटी के मुख्य संचालक डॉ. सूरज जैकब के साथ अनौपचारिक परिचयात्मक चर्चा की।

रिपोर्टर : जगमोहन दवे

विद्या बंधुओं के बीच खेले गए बेडमिंटन एवं टेबल–टेनिस टूर्नामेंट के विजेता एवं अतिथि

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

www.vbssschool.org

वार्षिक परीक्षाएं

विद्यालय में कक्षा नर्सरी से 7वीं, 9वीं एवं 11वीं की परीक्षाएं अप्रैल में आयोजित की गई। परीक्षा परिणाम 30 अप्रैल को घोषित किया गया। विद्यालय में नवीन सत्र 1 मई, 2017 से प्रारंभ हुआ।

प्रचार-प्रसार

नवीन प्रवेश हेतु अध्यापक-अध्यापिकाओं ने अलग-अलग दल में विद्यालय के आस-पास के क्षेत्रों में जाकर विद्यालय में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। अध्यापकों ने समुदाय को विद्यालय से रूबरू कराते हुए प्रचार-प्रसार किया तथा नवीन प्रवेश हेतु अभिभावकों से सम्पर्क किया।

बोर्ड परीक्षा परिणाम

विद्यालय में बोर्ड परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहें। बारहवीं कला वर्ग का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार वाणिज्य वर्ग का परिणाम 95.23 प्रतिशत व विज्ञान वर्ग का 87.30 प्रतिशत रहा। दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम 76.56 प्रतिशत रहा। कला वर्ग में सर्वाधिक अंक हर्षराज सिंह चुण्डावत ने 82.2 प्रतिशत, वाणिज्य वर्ग में मनीष सुथार ने 84.40 व विज्ञान वर्ग में सौरभ सोनावत ने 88.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

अन्तर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस

अन्तर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में 21 जून को विद्यालय में योग दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कक्षा-1 से 5 तक के विद्यार्थियों ने अध्यापिका रेणु बोर्दिया के निर्देशन में एवं कक्षा-6 से 12 के समस्त विद्यार्थियों ने अध्यापक नारायण लाल आमेटा व अध्यापिका महेन्द्र कुंवर के निर्देशन में विभिन्न योग क्रियाएं, सहज ध्यान तथा आसनों का अभ्यास किया।

हॉकी प्रदर्शन मैच में भागीदारी

ओलम्पिक दिवस के उपलक्ष में हॉकी प्रदर्शन मैच में विद्यालय के 4 विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाग लेने वाले विद्यार्थियों में अविनाश लबाना कक्षा-12ए, अजय मीणा, अरुण मीणा, ख्याली लाल कक्षा-10 शामिल थे। चारों विद्यार्थियों ने उदयपुर इलेवन की टीम से भाग लेते हुए बी.एन. हॉकी एकेडमी को 2-0 से पराजित कर विजय प्राप्त की।

विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी

विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, उदयपुर द्वारा आयोजित विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में कक्षा-9 से 12 विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों ने भाग लिया। पॉलिटेक्निक कॉलेज के इंजीनियरिंग संकाय के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न आकर्षक मॉडल बनाए गए जिसमें यातायात व्यवस्था का इलेक्ट्रिकल नियंत्रण, हाइवे पर चलती कार को चार्ज करने वाली सड़क, ऑनलाइन बिजली को चालू व बन्द करने की व्यवस्था, आबादी क्षेत्र में इलेक्ट्रिक द्वारा गाड़ी की गति का नियंत्रण जैसी विभिन्न रोचक चीजों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया।

शनिवारीय प्रार्थना सभा

शनिवारीय प्रार्थना सभा विद्या भवन की एक महत्त्वपूर्ण सहशैक्षिक गतिविधि है। प्रार्थना सभा में विद्या भवन से जुड़ी बातें, नवीन जानकारियों तथा भविष्य में काम आने वाली विभिन्न गतिविधियों से रूबरू करवाया जाता है। प्रार्थना सभा को विद्याभवन से जुड़े कार्यकर्ता, समाजसेवी, प्रशासनिक अधिकारी व पूर्व अध्यापक-अध्यापिकाएं संबोधित करते हैं। गोल्डन सेक्शन उदयपुर के डिजाईन कन्सलटेन्सी, भार्गव मिस्त्री ने इस मौके पर कहा कि हमें जीवन में सपने देखने चाहिए क्योंकि सपने ही हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। बालकों में कल्पनाशीलता अधिक होती है अतः बालकों को पढ़ाई के साथ-साथ कुछ समय अपनी रुचि के कार्यों हेतु भी देना चाहिए ताकि वे अपनी कुशलता को समाज व देश के सामने ला सके।

जूनियर विभाग

सेलिब्रेशन मॉल में 94.3 माई एफ. एम. द्वारा आयोजित मेरा परिचय प्रतियोगिता में कक्षा-5 की कृष्णा डांगी व श्वेता चुण्डावत तथा कक्षा 4 के जगदीश मेघवाल ने भाग लिया। पहले राउण्ड में स्वयं के बारे में तथा दूसरे राउण्ड में 'मैं हूं आर.जे..... ये है मस्ती की पाठशाला' का प्रस्तुतीकरण किया गया। कक्षा-5 की कृष्णा डांगी व श्वेता चुण्डावत का चयन हुआ। विजेताओं को ट्रॉफी व प्रमाण-पत्र दिए गए।

नर्सरी विभाग

नवीन सत्र में नर्सरी में नए प्रवेश के साथ बच्चों की संख्या 108 हो गई है। विद्यालय परिवार की ओर से सभी नए बच्चों का स्वागत किया गया। अप्रैल में नर्सरी में शिक्षक-अभिभावक मीटिंग का आयोजन किया गया। इसमें एच.के.जी. के बच्चों का प्रगति-समारोह तथा पूरे वर्ष पर्यन्त किए गए इन्टरवेंशन पर अभिभावकों से चर्चा की गई। बच्चों के भाषा सीखने पर नर्सरी अध्यापकों को प्रो. रमाकन्त अग्निहोत्री द्वारा विचार-मंथन एवं मागदर्शन तीन दिवसीय कार्यशाला के दौरान किया गया। नए सत्र की लिए तैयारी के रूप में प्रो. कमल महेन्द्रु के नेतृत्व में वार्षिक कार्य योजना तैयार की गई व पाठ्यपुस्तक रिव्यू किया गया। आगामी सत्र में नवीन प्रवेश की योजना (पेम्फलेट डिज़ाईन, रेडियो-जिंग बनाना, होर्डिंग्स तैयार करने का काम शिक्षा संदर्भ केन्द्र की मदद से पूरा किया गया।

रिपोर्टर : नारायण लाल आमेटा

विद्या बंधु हेमन्त बोहरा ने स्कूल परिसर में 1.7 किमी. रोड़ का निर्माण करवाया।

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

www.vbbasicschool.org

नवीन सत्र प्रारंभ

जुलाई में विद्यालय खुलने के साथ ही नए व पुराने विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक अपनी अगली कक्षा में प्रवेश लिया। नवीन सत्र 2017-18 में अभिभावकों तथा विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनएं दी गईं। विद्यार्थियों को समस्त शैक्षणिक व सहशैक्षणिक गतिविधियों से अवगत करवाया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

विद्यालय में 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। शारीरिक शिक्षक असित रॉय तथा शिक्षक राम दयाल वर्मा ने योग दिवस मनाने के कारण तथा महत्त्व के बारे में बताया। विद्यार्थियों को कई योग व आसन भी करवाए गए। विद्यार्थियों को प्राणायाम, व्यायाम, कपाल-भाति, अनुलोम-विलोम आदि सिखाए गए।

विशाल, मुन्नी तथा हेमराज अव्वल

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यालय का बोर्ड परीक्षा परिणाम अच्छा रहा। कक्षा-12 वाणिज्य संकाय में विशाल सुथार ने 76.80%, कला संकाय में मुन्नी गमेती ने 78% तथा कक्षा-10 के हेमराज सुथार ने 81.1% अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कला एवं वाणिज्य संकाय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

बोर्ड कक्षाओं का परीक्षा परिणाम

कक्षा-10

कुल	I	II	III	प्रतिशत
34	3	20	2	91.18%

कक्षा-12 (वाणिज्य वर्ग)

कुल	I	II	III	प्रतिशत
13	6	7	-	100%

कक्षा-12 (कला वर्ग)

कुल	I	II	III	प्रतिशत
22	10	11	1	100%

विद्यालय में नामांकन बढ़ा

इस वर्ष विद्यालय में 126 नव प्रवेश हुए जिसमें से 52 विद्यार्थियों का नामांकन प्राइमरी सेक्शन में हुआ। सत्र 2017-18 में विद्यार्थियों के नव प्रवेश हेतु शिक्षकों द्वारा सर्वेक्षण किया गया। शिक्षकों ने अलग-अलग टीम बनाकर चिकलवास, थूर, मदार, पालड़ी, कठार, बड़गांव, रामगिरि आदि गांवों में शिक्षा से वंचित व उच्च कक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों से सम्पर्क किया और उन्हें विद्यालय से जोड़ा।

छात्राओं द्वारा श्रमदान

विद्यालय की कक्षा-6 से कक्षा-8 की छात्राओं ने श्रमदान किया। छात्राओं ने विद्यालय परिसर में उगी हुई गाजर घास, खरपतवार तथा कचरे को हटाया तथा अपने विद्यालय को स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रदर्शनी का अवलोकन किया

विद्यालय से कक्षा-12 के कला व वाणिज्य संकाय के 33 विद्यार्थी शिक्षक कमलेश शर्मा तथा आकाश जोशी के सान्निध्य में प्रदर्शनी का अवलोकन करने विद्या भवन पॉलेटेक्निक महाविद्यालय गए। विद्यार्थियों ने वहां प्रदर्शित विज्ञान व तकनीक पर आधारित विभिन्न प्रोजेक्ट जैसे- सड़क सुरक्षा, सार्वजनिक स्थान गति सीमा निर्धारण, राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रकाश व्यवस्था, निःशक्त जनों एवं वृद्ध जनों हेतु स्वचालित मोबाइल एप आदि का अवलोकन किया। विद्यार्थी नई तकनीक से सम्बन्धित जानकारी से लाभान्वित हुए।

शिवकन्या राठौड़ का चयन

विद्यालय की कर्मचारी 'शिवकन्या राठौड़' ने 'उदयपुर जिला स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग संघ' की ओर से मीरा हेल्थ सेंटर में आयोजित 'मास्टर (महिला-पुरुष) स्ट्रेन्थ प्रतियोगिता' में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें ट्रॉफी तथा प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। शिवकन्या का चयन राज्य स्तर पर किया गया है जो गुवाहाटी (असम) में आयोजित की जाएगी।

रिपोर्टर : पुष्पा राजपूत

विद्या भवन रामगिरि की छात्राओं ने विद्यालय परिसर की सफाई की एवं पौध रोपण किया।

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

परीक्षा दें हंसते-हंसते

बच्चों के लिए 'परीक्षा दें हंसते-हंसते' एवं तनाव रहित परीक्षा देने के उद्देश्य से पांच दिवसीय कार्यशाला पब्लिक स्कूल सभागार में हुई। कार्यशाला विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी शाखा उदयपुर की ओर से हुई। कार्यशाला में बच्चों, शिक्षकों ने योग एवं ध्यान गतिविधियों में भाग लिया।

शतरंज खेल शिविर

शतरंज खेल में जिला स्तर पर बच्चे और अच्छा प्रदर्शन कर सके इस उद्देश्य से विद्यालय में 15 दिवसीय शतरंज खेल शिविर लगा। विद्यार्थियों ने कोच के सान्निध्य में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विज्ञान विषय के लिए निरीक्षण

विद्यालय में सत्र 2017-18 से कला एवं वाणिज्य विषय के अतिरिक्त एडिशनल सब्जेक्ट विज्ञान विषय को शुरू कराने हेतु भौतिक एवं शैक्षणिक विभागों का निरीक्षण हुआ। सी.बी.एस.ई. की ओर से आए दल ने विद्यालय की साईंस लेब, कम्प्यूटर लेब, खेल मैदान, कक्षाओं का निरीक्षण किया।

परमवीर ने जीता ब्रोंज मेडल

कक्षा-11 के छात्र परमवीर सिंह ने मार्शल

आर्ट प्रतियोगिता में ब्रोंज मेडल जीता। प्रतियोगिता महाराष्ट्र के खंडाला में आयोजित हुई। नेशनल जेपेनिस मिक्सड मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में परमवीर ने कई प्रतियोगियों को पछाड़ते हुए यह मेडल जीता।

हासिम ने स्केटिंग में छोड़ी छाप

विद्यालय के छात्र मोहम्मद हासिम ने 12 वर्ष

के आयु वर्ग में 'नेशनल लेवल की स्केटिंग रेस' में गोल्ड मेडल जीता। भीलवाड़ा में आयोजित स्केटिंग रेस में हासिम ने सभी प्रतियोगियों को पछाड़ कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

वाटरहट, हबल गार्डन होंगे तैयार

विद्यालय में साईंस लेब के नवीनीकरण कार्य

जोरों पर है। बच्चों एवं शिक्षकों के लिए टॉयलेट्स भी बन रहे हैं। छोटे बच्चों के मनोरंजन हेतु 'वाटरहट' निर्माणाधीन है। विद्यालय के अगले छोर पर 'हर्बल गार्डन' विकसित किया जा रहा है। बच्चों के लिए पानी की टंकी एवं पाथ-वे का निर्माण हुआ।

शिक्षा सम्बल : आवासीय शिविर

हिन्दुस्तान जिंक उदयपुर के तत्वावधान में 'शिक्षा सम्बल' अभियान के तहत शैक्षणिक एवं गतिविधि आधारित आवासीय शिविर लगा। शिविर में विद्यालय की ओर से अंग्रेजी विषय में रेबेका लूथर सिंह एवं ईना कुमावत, गणित विषय में अखिलेश सिंह चौहान व निशा नागदा, विज्ञान में फरजाना बानो, आर्ट एण्ड क्राफ्ट में बरखा शर्मा, पुस्तकालय विज्ञान के अन्तर्गत चन्द्रकला नागदा, संगीत में मनीष आदिवाल ने प्रशिक्षण दिया।

रिपोर्टर : ललित पूर्बिया

रिनोवेशन निर्माण कार्य प्रगति प्रतिवेदन

प्रशिक्षण केन्द्र तैयार

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट में बी एवं सी हॉस्टल का रिनोवेशन कार्य पूर्ण हुआ। इस कार्य के लिए रूरल इंस्टीट्यूट एवं विद्या भवन पॉलिटेक्निक का साझा प्रयास रहा। हॉस्टल को मुख्य रूप से प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में तैयार किया गया है। यहां पर भोजन, आवास की व्यवस्था है। एक समय में 100 लोगों को आवासीय प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर

कोलगेट फाउण्डेशन फण्ड की ओर से कलकत्ता सदन एवं भारतीय सदन छात्रावास का रिनोवेशन किया गया। इसके अंतर्गत नए टॉयलेट ब्लॉक तैयार किए गए, वाटर कूलर एवं आर ओ सिस्टम लगाया गया तथा छात्रावास का रंग रोगन किया गया। दोनों छात्रावासों में विद्यार्थियों के लिए तीन-तीन कंप्यूटर लगवाए गए जिनमें इंटरनेट की भी सुविधा है। भारतीय सदन टॉयलेट ब्लॉक के ऊपर शेड बनाया गया ताकि धूप एवं बारिश से बचाव हो सके। अरावली छात्रावास में भी रिनोवेशन कार्य के तहत नई विद्युत फिटिंग की गई है। छात्रावास के प्रत्येक कमरे में एक-एक पंखा एवं लाईट अतिरिक्त लगाए गए हैं।

ऑडिटोरियम की छत पर टाईल्स

सेकसरिया फाउण्डेशन के तहत विद्या भवन के ऑडिटोरियम की छत पर चाईना मोजाईक टाईल्स लगवाई जा रही है। फाउण्डेशन के तहत ही विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय के मुख्य भवन का रंग-रोगन एवं मरम्मत का कार्य किया गया।

प्याउ एवं टॉयलेट ब्लॉक निर्माण

विद्या भवन पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के पेयजल के लिए प्याउ बनाई जा रही है। साथ ही अध्यापकों, छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण कार्य जारी है।

लेंड यूज मेप तैयार

विद्या भवन के उत्तरी भाग का लेंड यूज मेप बन कर तैयार हो गया है। इसमें सोसायटी भवन, लोढ़ा निवास छात्रावास एवं कॉलोनी से लेकर विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय तक के क्षेत्र को शामिल किया गया है। लेंड यूज मेप बनाने का कार्य आर्ट एशियन टेक की ओर से किया जा रहा है।

रिपोर्टर : एच.आर. भाटी

विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

ऑनलाईन प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थि

"ऑफलाइन ट्रांजेक्शन" एप

इंफोसिस, आई.बी.एम., जियो सहित देश की नामी आई.टी. कम्पनियों ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की तर्ज पर विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिये 'टेकगिग कोड ग्लेडिएटर्स ऑनलाइन प्रतियोगिता' आयोजित की, जिसमें देशभर के एक लाख से ज्यादा प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता तीन चरणों में हुई। पहले चरण में ऑनलाइन व दूसरे चरण में समस्या आधारित विषय पर एप बनाकर भेजना था। परीक्षा के बाद एक लाख में से एक हजार प्रोफेशनल्स का चयन बैंगलुरु में ऑन द स्पॉट प्रोब्लम सॉल्युशन के लिये हुआ। इसमें पॉलिटेक्निक के दो विद्यार्थियों का चयन हुआ। पॉलिटेक्निक के ये होनहार छात्र 'यश' लोयरा गांव के रहने वाले हैं, जबकि 'वरुण' लखावली गांव से ताल्लुक रखते हैं। इन्हें ऑफलाइन कैशलेस ट्रांजेक्शन विषय मिला, जिसके बाद लगातार 24 घंटे काम कर ऑफलाइन ट्रांजेक्शन एप तैयार की। इसे एंड्रोयड थीम प्रतियोगिता में दूसरा स्थान मिला और इनाम स्वरूप एक लाख की राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही इन्हें कई बड़ी आई.टी. कम्पनियों इंफोसिस, आई. बी.एम., रिलायंस जियो ने भी उनकी टीम के साथ काम करने का ऑफर दिया है।

छात्रों द्वारा प्रोजेक्ट निर्मित

प्रोजेक्ट कार्य का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को हेण्ड्स ऑन अनुभव देना, विश्लेषणात्मक, तकनीकी व कम्यूनिकेशन स्किल, उद्यमिता स्किल को बढ़ाकर उन्हें योग्य बनाना है। इस सत्र में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा कई स्मार्ट एवं इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स विकसित किए गए। इनमें स्मार्ट ट्रेफिक सिस्टम, जल, हवा, उर्जा एवं पर्यावरण संबंधी प्रोजेक्ट, एप एवं प्रोग्राम तथा मास्टर प्लान के रूप में लेण्ड यूज़ मेपिंग पर कार्य किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अंतर्गत संस्थान द्वारा संस्थान के छात्रावास में योग दिवस मनाया गया। जिसमें विद्यार्थियों व कार्यकताओं ने योग कर इस दिवस को सफल बनाया।

स्थापना दिवस समारोह

पॉलिटेक्निक में पूर्व विद्यार्थी संघ का स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह में 50 वर्ष पूर्व 1967 बेच व 25 वर्ष पूर्व 1992 बेच के 30 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को पूर्व विद्यार्थी संस्था द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई एवं अध्यनरत विद्यार्थियों को नकद पुरूस्कार व प्रशस्ति पत्र दिए गए। मुख्य अतिथि रेल सेवा के वरिष्ठ अधिकारी हीरालाल सुथार (1984 बैच), विशिष्ट अतिथि सूरज जैक़ब, मुख्य संचालक विद्या भवन सोसायटी थे।

विश्व क्षय दिवस

ममता संस्थान, राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम उदयपुर, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में विश्व क्षय दिवस पर क्षय रोग से सम्बन्धित समाज में व्याप्त भ्रान्तियों एवं इससे होने वाले नुकसान बताए। विशषज्ञों ने क्षय रोग उन्मूलन हेतु सावधानियां व उचित उपचार बताए। ममता संस्थान की प्रतिनिधि ने बताया की "डॉट्स पद्धति" से क्षय रोग का उपचार सम्भव है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

डॉ. मोहन सिंह मेहता की 122 वीं जयन्ती पर पॉलिटेक्निक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगा। आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना, पूर्व विद्यार्थी संस्था, डॉ. मोहन सिंह मेहता मेमोरियल ट्रस्ट, महावीर इंटरनेशनल ने संयुक्त

शेष पृष्ठ 7 पर...

विद्या भवन पॉलिटेक्निक के पूर्व विद्यार्थी संघ के स्थापना दिवस पर 1967 एवं 1992 बेच के विद्यार्थियों का सम्मान।

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

महाविद्यालय में हुई परीक्षाएं

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं सत्र 2016-17 आयोजित हुई। परीक्षाओं में नियमित व स्वयंपाठी करीब 3300 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। स्थानीय महाविद्यालय के साथ ही दूसरे महाविद्यालयों का भी केन्द्र रहा। इग्नू के 50 विषयों की परीक्षाएं भी सम्पन्न हुई।

व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा मई में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में गीतांजलि हॉस्पीटल के पवन सोनी ने हृदयघात सम्बन्धी समस्या एवं उसके निवारण की जानकारी दी। इस मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. सबा खान एवं स्टाफ भी उपस्थित था।

लघु शोध परियोजना सम्पन्न

महाविद्यालय की संस्कृत प्राध्यापिका डॉ. अर्चना जैन ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वीकृत लघुशोध परियोजना सम्पन्न की है। डॉ. जैन ने 'प्राचीन भारतीय दण्ड व्यवस्था की वर्तमानकालिक प्रासंगिकता (संस्कृत साहित्य के आलोक में)' विषय पर शोध करते हुए वर्तमान दण्ड व्यवस्था और प्रावधानों की प्राचीनकालीन दण्ड एवं प्रावधानों से तुलना की। शोध का आधार द्वितीयक स्रोत रहे, जिसमें प्राचीन धर्म-शास्त्रों एवं संस्कृत साहित्य के साथ ही आधुनिक दण्ड संहिता की सहायता ली गई।

प्रवेश-प्रक्रिया

महाविद्यालय में सत्र 2017-18 के लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। जिसके तहत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न विषयों में प्रवेश प्रारम्भ हैं।

रिपोर्टर : डॉ. सुषमा जैन

...पृष्ठ 6 का शेष

तत्वावधान में किया गया। दो घंटे तक चले शिविर में 40 यूनिट रक्तदान हुआ। आर. एन. टी. मेडिकल कॉलेज के डॉ. संजय प्रकाश एवं उनकी टीम ने रक्त संग्रह किया।

विदाई समारोह

संस्थान के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह विभागानुसार आयोजित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को उनके भावी जीवन के लिये शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

पर्यावरण दिवस पर सेमीनार

पर्यावरण दिवस पर संस्थान में भूजल प्रबंधन व प्रकृति संरक्षण पर आयोजित सेमिनार में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के प्रमुख जल वैज्ञानिक डॉ. बसंत माहेश्वरी ने समाज जुड़ाव से भूजल प्रबंधन व प्रकृति संरक्षण का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के उदयपुर तथा गुजरात के दस गांवों में प्रति गांव पांच किसानों को भूजल जानकार के रूप में प्रशिक्षित किया है। इन्हें बरसात मापन, तालाब, जलस्तर मापन, भूजल गुणवत्ता मापन के सरल यंत्र दिए गए। कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व अनुसन्धान निदेशक डॉ. आर. सी. पुरोहित ने कहा कि उदयपुर पहाड़ी व कठोर चट्टानी क्षेत्र है, जहां भूजल नहीं बचा तो झीलें भी नहीं बचेंगी।

स्कील डवलपमेंट प्रशिक्षण

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की महाविद्यालय में संचालित 'कम्यूनिटी डवलपमेन्ट थ्रू पॉलिटेक्निक' स्कीम के अन्तर्गत छः माह के पांच प्रशिक्षण डाटा एन्ट्री आपरेटर, हाउस वायरिंग, मोटर वाइंडिंग एवं घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत, ए.सी एवं रेफ्रिजरेशन रिपेयरिंग आयोजित किए गए। इनमें 195 युवक-युवतियां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही 15 युवक-युवतियां रोजगार व 29 युवक-युवतियां स्व-रोजगाार प्राप्त कर काम कर रहे हैं।

रिपोर्टर : सोनू हिरावत

विद्या भवन पॉलिटेक्निक के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा विकसित किए गए स्मार्ट एवं इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स।

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

प्रकृति का संरक्षण हम सबका दायित्व

भीलों का बेदला, उदयपुर स्थित विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गोष्ठी हुई। विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने बताया कि प्रकृति का संरक्षण करना तथा हम सबको प्रकृति के साथ जुड़ना चाहिए। विद्या भवन की दूरदृष्टि से ही यह सुरक्षित प्रकृति साधना केन्द्र स्थापित हुआ। वर्तमान में यह पर्यावरण अध्ययन का एक मात्र केन्द्र है जिसमें विभिन्न प्रकार की वनस्पति व जीव-जंतुओ का अध्ययन किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिये पर्यावरण सुरक्षा एक बहुत बडी चुनौती है।

इस अवसर पर व्यवस्था सचिव एस. पी. गौड, एच. आर. भाटी, प्रो. एम. पी. शर्मा, कर्नल उदयभान सिंह, डॉ. टी. पी. शर्मा तथा पक्षी विशेषज्ञ विनय दवे ने भी विश्व पर्यावरण दिवस की महत्ता तथा हो रहे प्रभावों का उल्लेख किया।

पर्यावरण दिवस पर चर्चा करते अजय एस. मेहता

इस गोष्ठी से पूर्व विद्या भवन तथा हिन्दुस्तान जिंक के सहयोग से संचालित शिक्षा संबंल कार्यक्रम के 50 विद्यार्थियों के समूह ने केन्द्र द्वारा आयोजित ट्रेकिंग में भाग लिया। उन्होंने केन्द्र पर पाए जाने वाले विशेष प्रकार के पक्षियों का अध्ययन किया। साथ ही मौजूद विभिन्न प्रकार की वानस्पतिक औषधीय पौधों का अध्ययन भी किया। ट्रेकिंग डॉ. आनन्द सिंह जोधा, चन्द्रवीर सिंह तथा विनय दवे के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं के कर्मचारी, अध्यापक एवं छात्र भी इस मौके पर उपस्थित थे।

वनस्पति व पक्षियों का अवलोकन

विद्या भवन रुरल इंस्टीट्यूट के परिसर में वर्धमान महावीर कोटा खुला विश्वविघालय के एम. एससी. प्राणीशास्त्र के पंजीकृत शिक्षक विद्यार्थियों ने पाठ्यक्रम पर आधारित सघन जैव विविधता के संबंध में प्रातःकालीन भ्रमण किया। यह भ्रमण पक्षी विशेषज्ञ चन्द्रवीर सिंह तथा विनय दवे के मार्गदर्शन में किया। इस मौके पर शिक्षक विद्यार्थियों

नेचर ट्रीप के दौरान जानकारी लेते हुए।

ने विभिन्न प्रकार की वनस्पति तथा पक्षियों को पहचाना तथा अवलोकन किया। शिक्षक विद्यार्थी का यह अनुभव विद्यार्थियों को अध्यापन कराने में मददगार साबित होगा। विद्यार्थियों की प्रायोगिक कक्षाएं तथा परीक्षाएं संस्था के केन्द्र के एम. एससी. प्राणीशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रभारी डॉ. सुषमा जैन के मार्गदर्शन में आयोजित हो रही हैं। डॉ. टी.पी. शर्मा, निदेशक, विद्या भवन रुरल इंस्टीट्यूट ने बताया कि उक्त महाविद्यालय ने कोटा विश्वविद्यालय से अनुबंध किया है जिससे विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापन निश्चित समय सारणी के अनुसार सम्पन्न हो सकेगा।

नेचर ट्रीप का आयोजन विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र के समन्वयक डॉ. आर. एल. श्रीमाल ने किया।

रिपोर्टर : डॉ. रमणीक लाल श्रीमाल

विद्या भवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

प्रशिक्षण केन्द्र का अवलोकन

क्षेत्रीय उपनिदेशक डॉ. तरू सुराणा, महिला एवं बाल विकास विभाग, उदयपुर द्वारा आंगनवाड़ी प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा किया गया।

प्रशिक्षण में भाग लिया

संस्था की अनुदेशिका वर्षा चौधरी ने 'आईएसएसएनआईपी' परियोजना के तहत "संवर्धित अभ्यास पद्धति" के अन्तर्गत मॉड्यूल 10, 11 एवं 12 के लिये डीस्टरिक्ट रिसोर्स ग्रुप के रूप में इन्दिरा गांधी पंचायतीराज संस्था जयपुर, में आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया। उन्होंने बाद में ब्लॉक रिसोर्स समूह के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया।

इन्होंने जयपुर में आयोजित 2 दिवसीय 'एसडब्ल्यूओटी एनालेसिस आईसीडीएस ट्रेनिंग इन राजस्थान' में भी भाग लिया।

प्रशिक्षण में भाग लिया

संस्था की अनुदेशिका मधु धायभाई ने 'ट्रेनिंग प्रोगाम ऑन इसीसीई करिकूलम' विषय में नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण एनआईपीसीसीडी द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रशिक्षण

विद्या भवन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र पर कुल 11 प्रशिक्षण आयोजित हुए जिसमें 393 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। राजसमंद, प्रतापगढ़ एवं उदयपुर में आयोजित चार कार्यकर्ता पुनश्चर्या प्रशिक्षण में 114, छः सहायिका पुनश्चर्या प्रशिक्षण में 246 तथा एक सहायिका अनुशिक्षण प्रशिक्षण में 33 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

रिपोर्टर : नरेश राव

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

www.vbgstc.org

समीक्षा बैठक में महत्त्वपूर्ण सुझाव

सत्र-2016 की समाप्ति पर समीक्षा बैठकें आयोजित की गई। सैद्धांतिक कार्यक्रम समिति ने बताया कि इस वर्ष दो वर्षीय बी. एड., एम.एड. होने के बावजूद अनिवार्य एवं ऐच्छिक विषयों को समान रूप से स्थान देने के साथ साथ कम्प्यूटर योग एवं कला-शिक्षा की कक्षाएं भी नियमित चलीं। निदेशक ने अनिवार्य कक्षाओं का समय 45 मिनट से बढ़ाकर 55 मिनट करने का सुझाव दिया।

लो.ति.शि. महाविद्यालय, डबोक में चल वैजयंती

विद्या भवन को चल वैजयंती

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति ने समीक्षा बैठक में बताया कि इस सत्र में बी.एड. एवं एम.एड. के विद्यार्थियों ने कुल 13 प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिसमें 68 छात्र एवं 63 छात्राएं थीं। तीन अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए चल वैजयंती प्राप्त की। निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा ने अन्य विद्यार्थियों को भी इन गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया।

मूल्य आधारित शिक्षा का सुझाव

खेलकूद एवं अनुशासन समिति ने बताया कि खेलकूद कार्यक्रम के साथ योग की कक्षाएं वर्ष पर्यन्त लगी। प्रत्येक विद्यार्थी सप्ताह में दो बार योग की कक्षा में उपस्थित रहे। सुझाव मिला कि योग के साथ मूल्य आधारित शिक्षा कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को ग्रेड दी जाए। सायंकालीन खेलकूद कालांश लगाया जाए। वनशाला शिविर समिति ने बताया कि एम.एड. द्वितीय वर्ष की कक्षाएं नियमित लगाने से कुछ संकाय सदस्यों को महाविद्यालय में रूकना पड़ा। साथ ही तृतीय काउसलिंग में महाविद्यालय में उपस्थित हुए विद्यार्थियों के लिए पुनः एसयूपीडब्ल्यू कैम्प लगाना पड़ा, जिससे वे विद्यार्थी कुछ समय नियमित कक्षाओं से वंचित रहे। इसके बावजूद विद्यार्थियों ने आईसीटी बैंकिंग, स्वास्थ्य आदि विषय पर गांव के निवासियों को जागरूक किया। एक दिन नेत्र परीक्षण कैम्प एवं क्राफ्ट कैम्प में भाग लिया। शिक्षण-अभ्यास समिति ने बताया कि 12 विद्यालय शिक्षण कार्य हेतु लिए गए। जिसमें विद्यार्थी आधे दिन विद्यालयों में गए एवं आधे दिन महाविद्यालय में निर्देशन प्राप्त करते हुए पाठ-योजनाएं बनाई। बी.एड. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाओं के पश्चात् सैद्धांतिक व सत्रीय कार्य से सम्बन्धित तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम रखा जाए, ताकि विद्यालयों में इन्टर्नशीप में जाने से पूर्व उनकी अच्छी तैयारी हो पाएं।

नए सत्र की तैयारी

नवप्रवेशित बी.एड. विद्यार्थियों से सम्बन्धित चर्चा में निर्णय लिए गए कि प्रोस्पेक्टस में बी.एड. कार्यक्रम से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं संकलित की जाए तथा विद्यार्थियों को प्रवेश के दौरान प्रेषित किया जाए। सत्रारंभ में विषयवस्तु परीक्षण लिया जाए। प्रत्येक संकाय सदस्य विषयवार योजना प्रारूप बनाए जिसमें शिक्षण विधियों को भी सम्मिलित किया जाए। भाषा संवर्द्धन कार्यक्रम वर्षपर्यन्त आयोजित किए जाएं।

इग्नू बी.एड. का इंडक्शन कार्यक्रम

महाविद्यालय में इग्नू बी.एड. के इंडक्शन कार्यक्रम में 33 छात्राध्यापकों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय जोधपुर के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मुख्यतियार अली थे।

शत प्रतिशत उपस्थिति का लक्ष्य

जिला शिक्षा अधिकारी प्रशिक्षण, बीकानेर इजहार अहमद ने महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम सलाहकार समिति की बैठक में कहा कि सेवारत प्रशिक्षण में संभागियों की उपस्थिति 80 प्रतिशत तक बढ़ी है। इसे 95 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य है। महाविद्यालय की निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने कहा कि सेवारत प्रशिक्षण में उपस्थिति को लेकर जो प्रयास हुए हैं वे प्रसंशनीय हैं। प्रो. डी.एन. दानी ने सेवारत प्रशिक्षणों की समीक्षा की बात कही। कार्यक्रम में उदयपुर, झालावाड़, सिरोही एवं प्रतापगढ़ के जिला शिक्षा अधिकारी उपस्थित थे।

वाद–विवाद में अपना पक्ष रखती छात्रा।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

महाविद्यालय में सेवा प्रसार विभाग एवं स्नातक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में एस. एन. मुखर्जी राज्य स्तरीय 'लोकतांत्रिक मूल्यों का संवर्द्धन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से ही संभव है' विषयक वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर निम्बार्क शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की शिवकन्या चौधरी एवं हर्षिता चौबीसा रही। तृतीय स्थान पर विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय के नितिन मेनारिया रहे। मुख्य अतिथि एस.आई.ई.आर.टी. के पूर्व निदेशक शरद चन्द्र पुरोहित ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को एक नैसर्गिक गुण बताते हुए कहा कि ये समाज, परिवार और व्यक्ति के हित से संबंधित एवं संदर्भ जनित होनी चाहिए। निर्णायक डॉ. ज्योति पुंज, अशोक माथुर तथा डॉ. कुंजन आचार्य थे।

रिपोर्टर : संतोष उपाध्याय

मानव संसाधन एवं विधि विभाग

विद्या भवन संस्थाओं में नये कर्मचारियों की नियुक्ति

विद्या भवन संस्थाओं में निम्नलिखित नये कर्मचारियों की नियुक्ति की गई-

क्र.सं.	नाम कर्मचारी	पद	नियमित/संविदा	संस्था का नाम
1.	निदा असलम	अध्यापिका, टी-3	नियमित	वि.भ.सी.सै.स्कूल, रामगिरि
2.	रूबिना हुसैन	अध्यापिका, टी-5	नियमित	वि.भ.सी.सै.स्कूल, रामगिरि
3.	जितेन्द्र सिंह देवड़ा	अध्यापक-एकाउन्टेंसी	नियमित	वि.भ.सी.सै.स्कूल, रामगिरि
4.	भूमिका जोशी	अध्यापिक-एकाउन्टेंसी	नियमित	वि.भ.सी.सै.स्कूल, रामगिरि
5.	रेणु कुमावत	अध्यापिका-रसायन शास्त्र	नियमित	वि.भ.सी.सै.स्कूल, फतहपुरा
6.	ललिता मेनारिया	अध्यापिका-अंग्रेजी	नियमित	वि.भ.सी.सै.स्कूल, फतहपुरा
7.	योगेश शर्मा	अध्यापक- गणित	नियमित	वि.भ.सी.सै.स्कूल, फतहपुरा
8.	ज्योति स्वर्णकार	लेखा सहायक	संविदा	विद्या भवन सोसायटी
9.	राजेन्द्र जोशी	अध्यापक- गणित एवं भौतिकशास्त्र	संविदा	वि.भ.सी.सै.स्कूल, फतहपुरा
10.	मो. रिजवान	अध्यापक-अंग्रेजी	संविदा	वि.भ.सी.सै.स्कूल, फतहपुरा
11.	उर्ना चोरड़िया	अनुसंधान सहायक	संविदा	विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र
12.	गौरव वैष्णव	अनुसंधान सहायक	संविदा	विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र
13.	हिमांशी तिवारी	अध्यापिका	संविदा	वि.भ.सी.सै.स्कूल, फतहपुरा

कर्मचारियों के साथ बैठकें

विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने विद्या भवन सोसायटी शैक्षणोत्तर कर्मचारी संघ के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में विचारों का आदान-प्रदान किया। अध्यक्ष महोदय ने कर्मचारी प्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि कर्मचारियों के सेवा संबंधी हितों के विषय पर गहन विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्या भवन के अधीनस्थ शिक्षण संस्थाओं की वित्तीय स्थिति कर्मचारियों की आकांक्षाओं को पूरा करने मे असमर्थ है। फिर भी प्रबंधन प्रयत्नशील है।

सूरज जैक़ब बनें मुख्य संचालक

डॉ. सूरज जैक़ब ने विद्या भवन सोसायटी में मुख्य संचालक का पद ग्रहण किया। पूर्व

में उन्होंने अपने कार्य अनुभव में लगभग 17 वर्षों की अवधि में 13 वर्ष अमेरीका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर के पद पर अध्ययन-अध्यापन कार्य किया। अमेरीका से लौटने के बाद उन्होंने अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलूरू मे भी प्रोफेसर के पद पर काम किया।

झामरकोटड़ा स्टाफ के साथ वार्ता

विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने भूतपूर्व झामरकोटड़ा विद्या भवन सैकण्डरी स्कूल के अध्यापकों के साथ वार्ता की। इन अध्यापकों ने स्वयं की इच्छाओं से विद्या भवन सेवा नियमों के तहत विद्या भवन शिक्षण संस्थाओं में नियुक्ति स्वीकार की है। इनके वर्तमान वेतन एवं विद्या भवन के अधीनस्थ स्कूल में नियुक्त लगभग 200 से अधिक अध्यापकों के वेतन में बहुत अन्तर है। अतः विद्या भवन ने 200 से अधिक अध्यापकों को सन 2016 में 10 प्रतिशत एवं 15 प्रतिशत की वेतन वृद्धि का लाभ देकर समान वेतन की और एक कदम बढ़ाया है। यद्यपि यह अन्तर अभी भी बहुत है।

कर्मचारी कल्याण संबंधी कार्यक्रम

कर्मचारी संघ के अनुरोध पर विद्या भवन प्रबंधन ने संयुक्त निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) विभाग को अनुरोध कर कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में संयुक्त निदेशक अशोक रावत ने विद्या भवन की संस्थाओं में कार्यरत लगभग 120 कर्मचारियों एवं अध्यापक वर्ग को ईएसआई के लाभों की जानकारी दी। इनमें चिकित्सा संबंधी सुविधाओं को शामिल किया गया।

कर्मचारियों से चर्चा

विद्या भवन सोसायटी के मुख्य संचालक डॉ. सूरज जैक़ब ने शारीरिक शिक्षकों, संगीत शिक्षकों, वाचनालय एवं पुस्तकालय प्रबंधन में नियुक्त कर्मचारियों, वित्त विभाग में कार्यरत सहायक लेखापालों एवं कार्यालय सहायकों से विचार विमर्श किया।

रिपोर्टर : ज़ाहिद मोहम्मद

...पृष्ठ 11 का शेष

प्रतिभागियों को तिरंगे के रंगों के आधार पर चार समूहों में विभक्त कर वेलनेस का ज्ञान, कैसे बढ़ायें, कैसे अभिप्रेरित करें और किस प्रकार समस्वरित विकास करें -जैसे विषयों पर कार्य करवाकर प्रस्तुतीकरण करवाया गया। धन्यवाद, वेलनेस सेन्टर की सदस्य अदिति गुप्ता ने अदा किया।

रिपोर्टर : कुमुद पुरोहित

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

किया पक्षियों का अवलोकन

नेचर क्लब सदस्यों ने डॉ. चंद्रवीर सिंह व डॉ. आर.एल. श्रीमाल के मार्गदर्शन में पक्षियों का अवलोकन किया। विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय व रामगिरि विद्यालय के बीच नहर के समीप करीब 20 से ज्यादा पक्षियों का अवलोकन व पहचान की गई ।

हम शोध क्यों करें?

विद्या भवन सोसायटी के मुख्य संचालक डॉ. सूरज जैक़ब ने संकाय सदस्यों से चर्चा की कि हम शोध क्यों करें। उन्होंने अच्छे शोध की विशेषताएं (रोचकता, वर्णात्मक, विविधतापूर्ण, क्लेम सुनिश्चित शोध आधारित) आदि पर चर्चा की तथा विभिन्न प्रकार के शोधों को उदाहरण देते हुए स्पष्ट किया।

विश्व पर्यावरण दिवस

संकाय सदस्यों ने प्रकृति साधना केन्द्र पर आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर पक्षीविद् चन्द्रवीर सिंह ने बताया कि प्रकृति साधना केन्द्र स्थित जंगल में चातक (अवलक कोयल) देखा गया है, जो दुर्लभ है। उन्होंने सभी से पॉलीथिन का इस्तेमाल कम करने व पेड़ों की रक्षा करने का आग्रह किया। सोसायटी अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने कहा कि गरीबी व पर्यावरण में संबंध है। गरीबी को हटाने के लिए पर्यावरण को बचाना आवश्यक है। संकाय सदस्य रमेश मेघवाल व केसालाल डांगी ने महाविद्यालय परिसर में वन विभाग से प्रदत्त आम, ब्रोकली, मोलसूरी, बोगनवेलिया, कचनार आदि का पौधरोपण किया।

समीक्षा बैठकें

महाविद्यालय में आयोजित समीक्षा बैठकों में मूल्यांकन, सैद्धांतिक कार्यक्रम, विद्यालय इन्टर्नशिप, वनशाला शिविर, साहित्यिक सांस्कृतिक गतिविधियां प्रार्थना, गांधी शांति प्रतिष्ठान केन्द्र गतिविधियां आदि पर चर्चा की गई व आगामी सत्र के लिए कार्य योजना निर्मित की गई।

नागासाकी दिवस आयोजन

संस्था में नागासाकी दिवस पर "शान्ति सम्बन्धी प्रश्न" पर परिचर्चा रखी गई। इस परिचर्चा में अतिथि विद्या भवन सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष रियाज तहसीन ने गांधी के सात विचार सिद्धान्त से युक्त, परिश्रम, नैतिकता, सचरित्र शिक्षा, शुद्ध अन्तःकरण, मानवता युक्त विज्ञान, त्याग रूपी पूजा पर चर्चा की। मुख्य संचालक सूरज जैक़ब ने वर्तमान में विश्व शान्ति विजय की महत्ता बताई। सोसायटी के अध्यक्ष अजय एस. मेहता ने कहा कि वर्तमान समय को देखते हुए "शान्ति पर परिचर्चा" एक गंभीर विषय है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुगन शर्मा ने नागासाकी दिवस का महत्त्व बताया। परिचर्चा में बी.एड., एस.टी.सी. व बेसिक स्कूल के संकाय सदस्यों व छात्रों ने भाग लिया व अपने विचार प्रस्तुत किये।

मॉडल निर्माण कार्य

संस्थान में दो दिवस भूगोल विषय पर आधारित मॉडल निर्माण कार्य किया गया। जिसमें प्रथम वर्ष के भूगोल विषय के छात्राध्यापकों ने वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा हेतु मॉडल निर्माण किए। यह कार्य भूगोल व्याख्याता डॉ. प्रियंका जैन एवं डॉ. मोहन लाल जाट के मार्गदर्शन में किया गया।

संवाद

विद्या भवन गाँधी शिक्षा अध्ययन संस्थान ने विद्या भवन सोसायटी के सदस्य एवम् भारत के पूर्व विदेश सचिव, पद्म भूषण प्राप्त प्रो. जगत मेहता का जन्म दिवस मनाया। इस अवसर पर सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता, उदय मेहता एवं उनके पारिवारिक सदस्य तथा सोसायटी के मुख्य संचालक डॉ. सूरज जैक़ब, उपाध्यक्ष भगवत सिंह बावेल, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की सी.एस.आर. हेड निलिमा खेतान तथा अन्य अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर महाविद्यालय में परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा का विषय "राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों का हमारे विचारों से परस्पर सम्बन्ध" रखा गया। परिचर्चा में सभी ने विचार रखें कि किस तरह से राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों का समाधान छोटे स्तर से प्रारंभ करके सफलता हासिल की जा सकती है। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाना है तो विश्व शान्ति स्थापित करनी होगी और इस शांति का प्रारंभ अपने आप से करना होगा। 'मैं' और 'हम' आपस में जुड़ें हुए हैं और इनका प्रभाव एक दूसरे पर पड़ता है। इसलिए हमें 'मैं' से निकलकर 'हम' बनना होगा। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुगन शर्मा ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। कला शिक्षण संस्थान की प्राचार्या डॉ. भगवती अहीर ने प्रो. जगत मेहता का जीवन परिचय बताते हुए उनके द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रो. जगत मेहता द्वारा कहे गए कथनों को भी याद किया गया। वे कहते थे कि "अपना श्रेष्ठ दो और दूसरे के श्रेष्ठ की रक्षा करो।" कार्यक्रम के अंत में सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने सभी को धन्यवाद दिया और बताया कि सभी मुद्दों का हल तालीम है और तालीम से ही हम "मैं से हम" की और जा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी व्याख्याता सरिता जैन ने किया ।

मेन्टल हेल्थ एण्ड वेलनेस विषय कार्यशाला

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान और विद्या भवन वेलनेस सेन्टर के संयुक्त तत्वावधान में मेन्टल हेल्थ एण्ड वेलनेस विषय पर कार्यशाला हुई। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुगन शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाली को एक दूसरे का पूरक कहा। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही समाज के उन्नयन में अपनी महत्ती भूमिका अदा कर सकता है।

मुख्य वक्ता पूर्व प्रो. विजयलक्ष्मी चौहान फोरमर डीन स्टूडेंट वेलफेयर बोर्ड और हेड यूनिवर्सिटी साइकोलॉजी विभाग, मो.ला.सु.वि. वि., उदयपुर ने बताया कि व्यक्ति के स्वास्थ्य का मापन शारीरिक स्वास्थ्य से नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से होता है। खुशहाली की शुरुआत स्वयं से होनी आवश्यक है। उन्होंने खुशहाली का तात्पर्य क्या है? ये क्यों जरूरी है? कैसे इसका विकास स्वयं एवं दूसरों में कर सकते हैं? पर चर्चा की। इस मौके पर

शेष पृष्ठ 10 पर...

विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी.

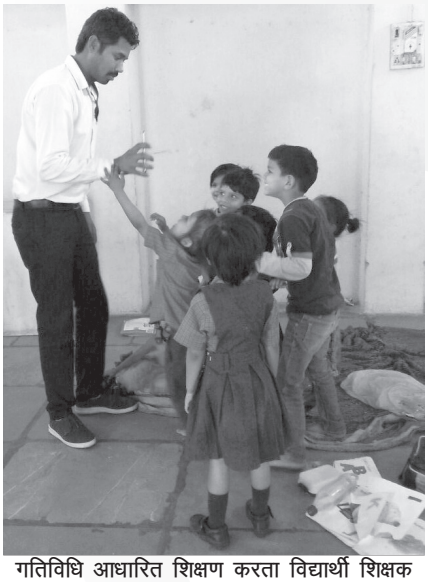

गतिविधि आधारित शिक्षण करता विद्यार्थी शिक्षक

समालोचना पाठ परीक्षा

डी.एल.एड के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों के क्रमशः 28 व 112 दिवसीय इन्टर्नशिप गृह जिले में पूर्ण करने के पश्चात् प्रथम वर्ष का समालोचना पाठ छह दिवस तक नवीन बाल सदन विद्यालय, पुला में हुआ। विद्यार्थी शिक्षकों ने पांच विषयों में समग्र शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग करते हुए पाठ प्रस्तुतीकरण किया। जांच कार्य विषयाध्यापकों द्वारा किया गया। प्रतिदिन पाठ-प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समालोचनात्मक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसी प्रकार द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों के लिए समालोचनात्मक पाठ का आयोजन स्थानीय महाविद्यालय में समूह अनुसार किया गया। जिसमें विद्यार्थी शिक्षकों को दो समूह में बांटा गया। प्रत्येक विषय को दो दिन मिले जिसमें विद्यार्थी शिक्षकों ने समग्र शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग कर प्रभावी शिक्षण कार्य किया। साथ ही विषयाध्यापकों ने सकारात्मक पुनर्बलन देते हुए कमियों से अवगत करवाया।

विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई सहायक सामग्री

सत्रीय जांच कार्य

डी.एल.एड. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के स्कूल स्थानाबद्ध कार्यक्रम के पश्चात् सत्रीय जांच कार्य किया गया। पांच शिक्षण आधारित विषयों का सत्रीय जांच कार्य परिषद् प्रभारी ने किया। प्रत्येक छात्र के सत्रीय कार्य का प्रस्तुतीकरण हुआ व प्रश्नोत्तर चला और उसी के आधार पर मूल्यांकन किया गया। शेष पांच शिक्षण विषयों के सत्रीय कार्य की जांच विषयाध्यापकों द्वारा की गई। जिसमें जांच का आधार प्रारूप निर्माण, प्रस्तुतीकरण व प्रश्नोत्तर रहा। द्वितीय वर्ष के सत्रीय जांच कार्य में तीन शिक्षण आधारित विषयों का जांच कार्य परिषद् प्रभारी व छः शिक्षण विषयों का जांच कार्य विषयाध्यापकों द्वारा किया गया। इसमें भी प्रारूप निर्माण, प्रस्तुतीकरण व प्रश्नोत्तर के आधार पर जांच कार्य किया गया।

वार्षिक सैद्धान्तिक परीक्षा

डी.एल.एड. प्रथम व द्वितीय वर्ष की वार्षिक सैद्धान्तिक परीक्षाएं रा.बा.उ.मा. विद्यालय, रेजीडेन्सी में आयोजित की गई। डाईट के संयोजन में उदयपुर में स्थित 9 डी.एल.एड. संस्थाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

वार्षिक आन्तरिक मूल्यांकन कार्य

पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं, बीकानेर द्वारा भेजे गए प्रारूप के अनुसार सत्र पर्यन्त महाविद्यालय में आन्तरिक मूल्यांकन हुआ। जिसमें परख, स्थानाबद्ध कार्यक्रम, पोर्टफोलियों, शैक्षिक भ्रमण, सांस्कृतिक-साहित्यिक एवं खेल गतिविधि को आधार बनाकर आन्तरिक मूल्यांकन का कार्य किया गया।

अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन

डी.एल.एड. द्वितीय वर्ष के छात्रों हेतु सरकार द्वारा प्राप्त निर्देशों से परिवर्तित हुए अभ्यास शिक्षण कार्यक्रम के कारण दो शिक्षण विषयों के पाठ्यक्रम को पूर्ण करवाने हेतु संस्कृत व अंग्रेजी विषय की संस्थान समय के पश्चात् अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन किया गया। इसी प्रकार प्रथम वर्ष हेतु भी अंग्रेजी विषय की अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन किया गया। कम उपस्थिति वाले छात्रों को अतिरिक्त कक्षाओं की उपस्थिति का लाभ मिला।

शैक्षिक भ्रमण व विदाई समारोह

संस्थान के डी.एल.एड. कर रहे विद्यार्थी शिक्षक शैक्षिक भ्रमण हेतु कुम्भलगढ़ गए। संस्थान के प्राध्यापकों के नेतृत्व में 90 विद्यार्थी शिक्षकों ने राजस्थान के गौरव पूर्ण इतिहास को जाना और उत्साह एवं रोमांच के साथ शैक्षिक भ्रमण का लुफ्त उठाया एवं ऐतिहासिक शैक्षिक अनुभव प्राप्त किया।

शैक्षिक भ्रमण के दौरान ही कुम्भलगढ़ के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यकम भी प्रस्तुत किए गए। प्राध्यापकों ने विद्यार्थी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं।

शनिवारीय गतिविधियां

कविता पाठ- शनिवारीय गतिविधि के अन्तर्गत कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्रों ने उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ओम सिंह ने व द्वितीय स्थान जितेन्द्र सिंह रजोत व उमेश सिंह ने प्राप्त किया।

अम्बेडकर जयंती मनाई

उत्सव जयंती कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय में अम्बेडकर जयंती का आयोजन किया गया। विद्यार्थी शिक्षकों ने अम्बेडकर के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। प्राध्यापिका डॉ. पूनम दवे व हेमन्त त्रिवेदी ने भी विचार व्यक्त किए। आभार ज्ञापन नेहा मुर्डिया ने किया।

रिपोर्टर : पूनम दवे

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

192 कृषकों ने प्रशिक्षण लिया

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र पर प्रदान संस्थान (नई दिल्ली), डी.एस.एम. (जयपुर), उद्यानिकी विभाग (राजस्थान सरकार) आदि द्वारा 5 प्रायोजित प्रशिक्षणों में 192 कृषकों ने भाग लिया। प्रायोजित प्रशिक्षण से केन्द्र का जुड़ाव दूसरी संस्थाओं से होता है और अधिक से अधिक कृषकों को लाभान्वित करने में सफलता मिलती है। ये प्रशिक्षण समन्वित कृषि, फलदार पौधों की वैज्ञानिक खेती, सब्जी एवं फूल उत्पादन तकनीक एवं व्यावसायिक डेयरी में पोषण प्रबंधन जैसे विषयों पर आधारित थे।

फलीचड़ा खेड़ी में प्याज प्रदर्शन

प्याज पर प्रक्षेत्र दिवस

उदयपुर क्षेत्र में दूसरे जिलों की तुलना में प्याज का उत्पादन कम रहता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए केन्द्र द्वारा प्याज की 3 किस्मों पर प्रक्षेत्र पर परीक्षण लगाया गया। मावली ब्लॉक के फलीचड़ा खेड़ी गांव में लगाए इस ट्रायल में प्याज की तीन किस्मों - एन-53, एन.एस.सी-301 बी एवं अनुपम के उत्पादन की तुलना किसानों द्वारा उपयोग में ली जाने वाली स्थानीय किस्म से की गई। ट्रायल में एन-53 किस्म में सर्वाधिक उत्पादन (178.26 क्वि./है.) पाया गया जो कि स्थानीय किस्म से 24.53 प्रतिशत अधिक था। इन परिणामों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से केन्द्र द्वारा फलीचड़ा खेड़ी प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया।

प्रक्षेत्र पर परीक्षण आयोजित

प्रक्षेत्र पर परीक्षण के तहत् किसानों के खेत पर फसल उत्पादन में मक्का की दो किस्म पी-3502 एवं बायो-9682 की उत्पादन क्षमता की जांच हेतु मावली तहसील के फलीचड़ा खेड़ी में 10 कृषकों के खेतों पर चालू खरीफ मौसम में प्रदर्शन लगाया गया। परीक्षण का उद्देश्य कृषकों के खेत पर उन्नत किस्म के उत्पादन की तुलना प्रचलित किस्म से कर उन्हें बेहतर किस्मों के बारे में जागरूक करना है।

दलहन की उन्नत तकनीक प्रदर्शन

केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत दलहनी फसलों के पैदावार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मावली तहसील के मण्डप, रेडिया खेडी, पलाना खुर्द एवं होली गांवों में 30 हैक्टेयर क्षेत्रफल में उड़द की उच्च उत्पादन क्षमता वाली किस्म पी.यू.-31 का 72 चयनित किसानो के खेत पर प्रदर्शन चालू खरीफ मौसम में प्रदर्शन लगाया जा रहा है। इस अवसर पर एक दिवसीय ग्राम स्तर पर उड़द उत्पादन की उन्नत प्रौद्योगिकी पर दो प्रशिक्षण हुए। क्षेत्र में पहली बार दलहनी फसलों में जिप्सम का उपयोग किया जा रहा है। उड़द एक दलहनी फसल है जो भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाता है इसलिये फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह प्रदर्शन लगाए जा रहे हैं।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

केन्द्र द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा में समस्त स्टाफ एवं प्रतिभागियों ने स्वच्छता की शपथ ग्रहण की। साथ ही केन्द्र द्वारा विद्या भवन के जनवाचनालय में स्वच्छ परिसर-हरा परिसर नाम का अभियान चलाया जिसमें साफ-सफाई की एवं नए पौधे लगाने के लिए तैयार किया। केन्द्र के परिसर में भी स्वच्छता अभियान में सदस्यों ने हिस्सा लिया। बड़गांव पंचायत में गाजर घास उन्मूलन अभियान में 63 महिला कृषकों ने भाग लिया। कचरे एवं अन्य सामग्रियों को कार्बनिक चक्र में कैसे परिवर्तित किया जाए के बारे में भी स्वच्छता पखवाड़े में अभियान चलाया, इसमें राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद की 120 महिला कृषकों ने भाग लिया।

के.वि.के. फार्म की गतिविधियां

केन्द्र के फार्म पर वर्तमान खरीफ मौसम में मुख्य रूप से 4 हैक्टेयर में मक्का की उन्नत किस्म हाईटेक-5801 एवं एन.डब्ल्यू.एम.एच.-2002, उड़द 1.6 हैक्टेयर में किस्म पी.यू.-31, दृष्टि-555, धान की पूसा-1509 एवं पूसा-1121 0.3 हैक्टेयर क्षेत्रफल में बुवाई की गई। टेक्नोपार्क में मक्का की 14 किस्में एवं सोयाबीन की 10 किस्में लगाई गई हैं ताकि केन्द्र पर आने वाले कृषक किस्मों को देखकर स्वयं के खेत में बुवाई हेतु चयन कर सके।

रामगिरि की भूमि पर कृषि

केन्द्र ने रामगिरि बीड़ की अकृषि भूमि को तैयार कर 20 बीघा बीड़ को काश्त योग्य भूमि निकाली। जिसमें ग्वार का बीजोत्पादन राजस्थान राज्य बीज निगम, उदयपुर हेतु पैदा किया जा रहा है। शेष भूमि में ज्वार एवं कुल्थी की बुवाई की गई।

खरीफ मौसम के नए प्रदर्शन

केन्द्र द्वारा वर्तमान खरीफ मौसम में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन लगाए जा रहे हैं। इसमें पहला है अदरक पर कन्द सड़न की रोकथाम की तकनीक। झाड़ोल तहसील के विभिन्न गांवों में अदरक कन्द सड़न अथवा प्रकन्द सड़द के प्रबंधन हेतु 20 किसानो के खेत पर ओ.एफ.टी. (खेत पर परीक्षण) लगाए गए। इस दिशा में केन्द्र ने इस रोग का गहन अध्ययन कर

शेष पृष्ठ 15 पर...

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र

www.vberc.org

शिक्षा संबल कार्यक्रम

शिक्षा संबल कार्यक्रम का फेज-2 अप्रैल, 2017 से प्रारम्भ हुआ। इस सत्र में कार्यक्रम द्वारा 59 राजकीय माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों को अकदामिक सहयोग दिया जा रहा है।

अप्रैल में विद्यालयों में अनुदेशकों ने कक्षा-9 की परीक्षाओं की तैयारी करवाई तथा ग्रीष्मकालीन अवकाश में आयोजित होने वाले शिविर के लिए बच्चों का चयन किया। इसी दौरान पांचों जिलों में स्कूल प्रधानाचार्यों व जिला शिक्षा अधिकारियों की संयुक्त बैठकें आयोजित कर वर्षभर के कार्यों की समीक्षा की गई व आगामी सत्र की योजना पर चर्चा की गई।

मई व जून में बच्चों का ग्रीष्मकालीन आवासीय शिविर विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल में आयोजित किया गया। शिविर में पांचों जिलों से 200 बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। यह शिविर 15 मई से प्रारम्भ होकर 18 जून तक चला। इसके साथ ही कार्यक्रम की छः लोकेशन पर भी गैर-आवासीय शिविर आयोजित किए गए। ये शिविर एक माह तक चले और इनमें प्रत्येक शिविर में 100 बच्चों ने भागीदारी की। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों- अम्बेडकर विश्वविद्यालय, जामिया मिलीया विश्वविद्यालय, अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, टाटा इंस्टीट्यूट, मुम्बई के छात्रों ने भी शिविर में वॉलण्टीयर के तौर पर अपना योगदान दिया।

खुशी आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट

सेवा मंदिर द्वारा संचालित एवं हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के सहयोग से "खुशी आंगनवाड़ी परियोजना" इस वर्ष अपने अगले चरण की ओर अग्रसित हो चुकी है तथा पूरे वित्तीय वर्ष में विद्या भवन द्वारा कुल 1300 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का कार्य किया जाएगा जो कि पिछले वर्ष से लगभग तिगुना है।

इन प्रशिक्षणों का मुख्य उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अनुदेशकों में "शाला पूर्व शिक्षण" की बेहतर समझ विकसित करना, 3 से 6 वर्ष की उम्र के बच्चों के सीखने की स्वाभाविक क्षमताओं पर समझ बनाना एवं स्कूल पूर्व तैयारी के दौरान किस प्रकार की गतिविधियां करवाई जा सकती है इसका अनुभव प्राप्त करना था। इसी क्रम में झाड़ोल व गिर्वा ब्लॉक में कार्यरत 74 फेसीलिटेटर्स की प्रशिक्षण द्वारा उपयुक्त मुद्दों पर क्षमतावर्धन किया गया। साथ ही दोनों ब्लॉक की 255 आंगनवाड़ियों में विद्या भवन के अनुदेशकों द्वारा सीधा सहयोग के रूप में कविताओं, कहानियों व चित्रों द्वारा भाषा सीखना-सिखाना (ठोस सामग्री द्वारा) संख्या पूर्व अवधारणाओं एवं आधारभूत गणितीय कौशल विकसित करने पर काम किया गया। कुल 4 बैठकों के अन्तर्गत अनुदेशकों द्वारा फील्ड में किस प्रकार काम किया जाना चाहिए, इसकी योजना तैयार की गई। फील्ड के काम व प्रशिक्षण की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए कोर टीम द्वारा दोनों ब्लॉक में कुल 6 फील्ड विजिट भी की गई।

नर्सरी स्कूल इंटरवेंशन

केन्द्र की टीम की मदद से अप्रैल में शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें एच.के.जी. के बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी और अभिभावकों के साथ बच्चों की प्रगति और आगामी कार्य योजना साझा की गई। केन्द्र की टीम और शिक्षकों ने प्रो. रमाकान्त अग्निहोत्री के निर्देशन में एक कार्यशाला में हिस्सा लिया जहां बच्चों के भाषा सीखने पर विचार-मंथन किया। साथ ही कमल महेन्द्रु के साथ शिक्षकों ने मिलकर आगामी सत्र की योजना एवं पुरानी पाठ्यपुस्तकों का रिव्यू किया एवं उनके साथ काम करने के तरीकों को समझा कुछ पुस्तकों को बदलने पर भी सहमति बनी। स्कूल में नामांकन बढ़ाने के लिए एडमिशन कैम्पन के तहत फ्लेक्स और पेम्फलेट्स डिज़ाइन किए गए और सर्वे के दौरान क्षेत्र विशेष में रहने वाले अभिभावकों का भी सहयोग लिया गया। वर्तमान में स्कूल में 110 बच्चों का नामांकन हुआ है। 19 जून से विद्यालय में नए सत्र की औपचारिक शुरूआत हुई।

ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इण्डिया

केन्द्र की टीम ने स्थानीय टीम के साथ मिलकर दोनों ब्लॉक (गोला और पोडैयाहात) में एक-एक बाल मेले का आयोजन किया और झारखण्ड की स्थानीय टीम द्वारा अपने स्तर पर 4 बाल मेलों का आयोजन किया जिनमें बच्चों के साथ उनके अभिभावकों को जोड़ने के प्रयास भी शामिल थे। उक्त अवधि के दौरान दोनों जिलों (रामगढ़ एवं गोडा) में 10 एस.एम.सी. बैठकें भी आयोजित की गई ताकि स्कूलों में समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। शिक्षकों के साथ संवाद कायम करने के उद्देश्य से प्रासंगिक पठन सामग्री को चुना और उनके साथ साझा किया गया जिसको आधार में रखकर उनके साथ विचार-विमर्श किया गया। साथ ही पुस्तकालय के उपयोग और पुस्तकों के प्रति रूझान बढ़ाने के लिए ग्राम संगठन से ही 6 स्वयंसेवी चुने गए जो पुस्तकालय को सक्रीय बनाने के लिए काम करेंगे। इसी के साथ दोनों टीमों ने मिलकर आगामी कार्ययोजना को विस्तृत रूप दिया।

ऊँची उड़ान

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, रेजोनेंस व विद्या भवन के सहयोग से अप्रैल 2017 से "ऊँची-उड़ान" प्रोजेक्ट के अंतर्गत ग्रामीण प्रतिभावान छात्र/छात्राओं को आई.आई.टी. प्रवेश परीक्षा के लिए तैयार करना है। "ऊँची-उड़ान" प्रोजेक्ट के अंतर्गत 2017-18 के वर्तमान सत्र में दसवीं व ग्यारहवीं कक्षा के एक-एक बैच की शुरूआत की गई है। विद्या भवन उच्च माध्यमिक विद्यालय में

इन दोनों बैच में क्रमशः 29 व 27 बच्चों का नामांकन हुआ है। स्कूल के छात्रावास में रहकर इन छात्रों द्वारा अध्ययन किया जा रहा है। अध्यापन का काम रेजोनेंस संस्था व विद्या भवन के शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है। "ऊँची उड़ान" के सभी छात्र/छात्राओं का चयन हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के सात कार्यक्षेत्रों के सरकारी स्कूलों से प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया गया है। प्रोजेक्ट में 56 बच्चों में 27 छात्राएं व 29 छात्र शामिल हैं।

हजीरा

केन्द्र की हजीरा शाखा ने एक्टिवीटी संचालिकाओं के साथ मिलकर दो- दो दिवसीय योजना बैठकों का आयोजन किया। एक बैठक ग्रीष्मकालीन अवकाश से पूर्व पढ़ने-पढ़ाने से इतर प्रकार की गतिविधियों जैसे खेल, पजल, कहानी आदि एवं एक बैठक पुनः शाला सत्र शुरू होने पर जिसमें सीखने-सिखानें की गतिविधियों के साथ उनके आउटकम की भी चर्चा की गई। केन्द्र द्वारा अवकाश के दौरान गणित की समझ को पुख्ता करने के लिए गणित की अतिरिक्त कक्षा हजीरा प्राथमिक स्कूल में जहां 22 बच्चों ने मिलकर काम किया। इसी दौरान हजीरा, मोरा, धमका और सुवाली स्कूल में नृत्य की कक्षाएं आयोजित की गई जिनमें कुल 132 बच्चों ने भाग लिया साथ ही टीम द्वारा हरपतिवास में स्कूल से बाहर बच्चों को जोड़ने के लिए समुदाय के एक सदस्य के साथ मिलकर 33 बच्चों के साथ खेल एवं गणितिय गतिविधियां आयोजित की गई। नया सत्र शुरू होने के साथ ही टीम हजीरा और नवजाग्रति स्कूल में प्राथमिक एवं माध्यमिक दोनों स्तरों पर अकादमिक सहयोग प्रदान कर रही है जिसमें लगभग 86 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। गणितीय अवधारणाओं की समझ पुख्ता करने के लिए टीम ने दो "मैट्रिक मिजर्स" इवेंट आयोजित किए जिनमें 227 बच्चों ने भाग लिया। जूनागाम स्कूल में साइंस इवेंट आयोजित किया जिसमें 51 बच्चों ने भाग लिया और साथ ही तीन स्कूलों में 'रिमों' एवं 'बाजा' बाल फिल्मों का आयोजन किया जिसका आनंद लगभग 72 बच्चों ने उठाया। मोबाइल लाइब्रेरी के जरिये निरन्तर बच्चों और अभिभावकों से जुड़ाव जारी है।

आबू रोड़ में सर्वे

केन्द्र, प्रदान संस्था के साथ मिलकर झारखण्ड राज्य में काम की तर्ज पर आबू रोड़ में काम की संभावनाएं तलाश रहा है। हालांकि आबू रोड़ में ए.पी.एफ. और बोध जैसी संस्थाएं कार्यरत है। मौजूदा कार्यक्षेत्र के मद्देनजर डाटा संकलन कार्य जारी है।

रिपोर्टर : डॉ. कामिनी उपाध्याय

अनुभव

संकट रचनात्मकता के अभाव का

शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में बाल मनोविज्ञान के महत्त्व को देखते हुए बाल विकास को सम्मिलित किया गया है। इसे विद्यार्थियों को भारी भरकम परिभाषाएं रटाने के स्थान पर कुछ जीवंत व मनोरंजक बनाने की दृष्टि से मैंने विद्यार्थियों को बाल साहित्य की सूची बनाने के लिए कहा। उन्हें आजकल बच्चे क्या कार्टून, एनीमेशन व सीरियल देखना पसंद करते हैं, यह भी सूचीबद्ध करने का कार्य दिया। कुछ विद्यार्थियों ने बड़ा ही व्यवस्थित कार्य किया। बाल साहित्य क्या होता है? कार्टून व एनिमेशन क्या होता है? बाल साहित्य की वर्गीकृत सूची को प्रस्तुत किया। किन्तु अधिकांश विद्यार्थियों ने कार्य नहीं किया। स्पष्ट था कि उनकी बाल साहित्य को पढ़ने में रूचि नहीं हुई। बाल्यावस्था में संभवतः उन्हें बाल साहित्य उपलब्ध नहीं रहा होगा। मैंने उनके लिए एक सरल कार्य संरचित किया। मैंने उन्हें कहानियां ढूंढ कर लाने को कहा जिससे हम कहानी वाचन कर बचपन की विशेषताओं पर चर्चा कर सके। 50 विद्यार्थियों में से मात्र 3 ही कहानी लाए थे। वह भी समाचार पत्र की कतरन थी। जो यह बताता था कि उन्होंने बच्चों की कोई पत्रिकाएं नहीं देखीं। कक्षा में ही विद्यार्थियों को कहानी लिखने का कहने पर पाया कि अधिकांश कहानियां वहीं थीं जो उन्होंने बचपन में सुनी थी। जैसे प्यासा कौआ, शेर और चूहा, लालची लोमड़ी आदि। कहानियों में दिए गए निर्देश के बाद भी कोई मौलिकता, नवीनता, रचनात्मकता नहीं थी। संकट रचनाधर्मिता का है, संकट सृजन का है। संकट साहित्य पढ़ने का है, संकट अच्छे लेखन का है, पर शायद हमारी संस्कृति के मूल्यों के संकट से जुड़ा है। पठन संस्कृति को कक्षा में पुनः जीवित करने की जरूरत है। पुस्तकालय को कक्षा, शिक्षक और विद्यार्थी तक पहुंचाने की जरूरत है।

-डॉ. कुमुद पुरोहित
विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

...पृष्ठ 13 का शेष

बीज उपचार से लेकर भण्डारण तक पूरे पैकेज को प्रायोगिक किसानों के खेतों पर किया। यह इस रोग के प्रबंधन हेतु जैविक कीटनाशकों के साथ रासायनिक दवाइयों का प्रयोग कर प्रबंधन किया गया। एक अन्य प्रदर्शन नींबू के बगीचों पर लगया जा रहा है जिसमें फलीचड़ा खेड़ी गांव के 8 कृषकों के साथ कागजी किस्म के कुल 400 नींबू के पौधों के बगीचे लगाए गए।

योग दिवस का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग शिविर में 62 लोगों ने भाग लिया। इसमें केन्द्र पर कार्यरत कर्मचारी, किसान, किसान महिलाओं के अतिरिक्त विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्र व छात्राएं शमिल थीं। योग नरेन्द्र यादव, व्याख्याता, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, थूर, उदयपुर के मार्गदर्शन में सूर्य नमस्कार, तड़ाआसन, कपालभाती आदि आसनों के साथ लाफ्टर थैरेपी भी करवायी गई।

रिपोर्टर : रागिनी राणावत

अतीत के झरोखे से

याद हैं वे दिन विद्या भवन के

स्व. नन्द किशोर श्रीमाली 1940 से 1964 तक विद्या भवन स्कूल में शिक्षक तदुपरान्त प्रधानाध्यापक रहे। इसके पश्चात 15 वर्षों तक वे विद्या भवन शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय में कार्यरत रहे। अपने एक आलेख में उन्होंने विद्या भवन का जो चित्र प्रस्तुत किया है, उसकी एक झलक संक्षिप्त रूप में यहां प्रस्तुत है।

विद्या भवन में शिक्षकों का विद्यार्थियों के प्रति बड़े भाई अथवा हितैषी का संबंध था, शिक्षकों का जीवन इस विश्वास से ओत-प्रोत था कि उनमें जो भी क्षमता है उसका उपयोग छोटों के सर्वांगीण विकास में करना उनका कर्तव्य है। एवज में बिना कुछ अपेक्षा रखे, संस्था क्या वेतन दे रही है, बगैर इसका खयाल किये, या कि समाज से उनको कितनी प्रतिष्ठा मिलेगी, बिना इसका विचार किए उनको विद्यार्थियों के विकास में निरंतर निष्ठापूर्वक लगे रहना है। चाहे पढ़ाई हो, स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम हों, वनशाला या वार्षिकोत्सव हो या कैम्प जीवन में पहाड़ चढ़ना तैरना या घने जंगलों को रात्रि में पार करने जैसे साहसिक कार्य हों, उन्हें विद्यार्थियों का नेतृत्व व मार्गदर्शन करने में उपलब्धि व सुख की अनुभूति होती थी। इन सब में 'निष्काम कर्म' की भावना ओत-प्रोत रहती थी। जो भी विद्या भवन में प्रवेश लेता उनका वह अपना हो जाता था। सबके प्रति समान भाव था। न जात-पांत का विचार था, न धर्म के नाम पर कोई भेदभाव था, न गरीब-अमीर का कोई ख्याल था। संक्षेप में शिक्षक-शिक्षार्थी का संबंध आत्मिक स्तर पर होता था। यही विद्या भवन की एक शक्ति भी थी।

शिक्षक यह सब कर पाते थे, इसमें उस समय का सामाजिक वातावरण बड़ा सहायक था। महात्मा गांधी और अन्य बड़े नेताओं का देश के प्रति समर्पण, त्याग और निष्ठा से आवेशित देश-व्यापी माहौल शिक्षकों को शिक्षा के रचनात्मक कार्य में भी निरंतर अनुप्रेरित करता था।

जिन्होंने विद्या भवन की नींव रखी थी उनका शिक्षा द्वारा नए समाज की रचना का स्वप्न और विश्वास था- ऐसा समाज जिसमें जात-पांत, छुआछूत, ऊंच-नीच का विचार नहीं हो, ऐसा समाज जो प्रतिस्पर्धा पर आधारित न होकर सहयोग और सहकारिता पर आधारित हो।

शिक्षकों के पारस्परिक संबंध भी अनौपचारिक थे। प्रधानाध्यापक और अध्यापकों में भी मैत्रीभाव था। प्रधानाध्यापक अपने सहकर्मियों के लिये एक आदर्श होता था, चाहे पढ़ाना हो, स्वयं की कार्य-क्षमता हो, संस्था के प्रति निष्ठा का प्रश्न हो अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी हो। इन सब में वह सदैव आगे रहता था। निकटता एक दूसरे के सम्बोधन में भी व्यक्त होती थी। इसीलिए तो शिक्षकों के सम्बोधन 'बाबा' 'मार्शल' 'कंजी' 'पंजी', 'दादाभाई' आदि थे।

विद्यालय का राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्परूप विकसित हो, इसके लिए देश के विभिन्न भागों, बल्कि विदेशों से भी अच्छे अध्यापक खोज कर स्टाफ में रखे जाते थे। उन वर्षों में ब्रिटेन, आस्ट्रिया से आए अच्छे अध्यापकों के साथ कार्य करने का मुझको भी अवसर मिला था।

शिक्षक भी अपनी ओर से संस्था के प्रति समर्पित थे। वे संस्था को अपना श्रेष्ठ देने के लिये सदैव तैयार रहते थे। उस समय ग्रेड, प्रमोशन, जूनियर-सीनियर की चेतना बिल्कुल नहीं थी। सबको यह विश्वास था कि संस्था-संचालक उनके हितों की रक्षा करेंगे। उस समय वेतन, आवास की सुविधाएं कम थीं, कार्य के घंटे व काम अधिक था, पर उसमें भी कार्यकर्ता प्रसन्न थे। सबका ध्यान ड्यूटी पर केन्द्रित था, अधिकार गौण थे।

विद्या भवन के जो दिन मुझको याद हैं व संस्था का जो स्वरूप मैंने देखा है उसमें मैं अब भी आशावान हूं इसकी मूलभूत अच्छाइयां, कभी न कभी फिर अंकुरित होगी। इसमें अब भी शैक्षिक सृजन और नेतृत्व की ऊर्जा शेष है, ऐसा मेरा विश्वास है।

प्रस्तुति : डॉ. (श्रीमती) विश्व विजया सिंह
पूर्व प्रधानाध्यापिका- विद्या भवन स्कूल

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:
Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004.
Phone : 0294-2451497
E-mail : vbkhojkhabar@gmail.com
Website: www.vberc.org / www.vidyabhawan.org

To,
.....
.....
.....
.....

प्रकाशक : विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, डॉ. मोहन सिंह मेहता मार्ग, विद्या भवन सोसायटी परिसर, उदयपुर (राज.) फोन : 0294–2451497
मुद्रक : संजय प्रिंटर्स, 71–महिला मण्डल के पास, उदयपुर (राज.) फोन : 9001000700, 9414316479